पाठ 2. सबसे अच्छा उपहार

पाठ का परिचय

राज एक मेधावी छात्र था। विजय और विनोद उसके बड़े भाई थे और पिंकी उनकी इकलौती बहन। राज, विजय और विनोद चूँकि कमाते नहीं थे इसलिए हर रक्षाबंधन पर माँ से पैसे लेकर पिंकी के लिए उपहार लाते थे। इस बार रक्षाबंधन आने में तीन माह का समय शेष था। माँ ने तीनों भाइयों को बुलाकर कहा कि इस बार वह रक्षाबंधन पर पिंकी के लिए उपहार खरीदने के लिए एक साथ पैसे नहीं दे पाएँगी। इसलिए वह थोड़े-थोड़े पैसे देती रहेंगी जिन्हें जमा करके वे उपहार खरीद सकते हैं। विजय और विनोद तो माँ की बात मान गए लेकिन राज ने माँ से पैसे लेने से इनकार कर दिया। वह नहीं चाहता था कि अब वह पैसों के लिए माँ को परेशान करे। पिंकी को लगा कि राज अबकी बार कोई उपहार नहीं देगा। रक्षाबंधन वाले दिन विजय और विनोद ने माँ के पैसों से खरीदा उपहार पिंकी को दिया। उसी समय राज ने भी एक सुंदर फ्रॉक पिंकी को उपहार में दी। माँ को जब यह पता चला कि उसने यह फ्रॉक ट्यूशन पढ़ाकर इकट्ठे किए पैसों से खरीदी है, तो उन्हें ही नहीं पिंकी को भी बहुत खुशी हुई।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

मेहनत की कमाई सबसे अमूल्य होती है। हमेशा अपनी हिम्मत और मेहनत पर भरोसा करना चाहिए।

पाठ का वाचन

बच्चों को पहले मौन वाचन करने को कहें। बच्चों के द्वारा एक बार पढ़े जाने पर उन्हें कहानी से संबंधित चर्चा करने को कहें। चार-चार बच्चों के समूह बना दें। बच्चे आपस में बताएँ कि उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा। अपने समूह के विचारों को वे कक्षा के सामने भी बताएँ।

महत्वपूर्ण चर्चा

बच्चों से जानें –

- वे अपनी बहन को रक्षाबंधन के दिन क्या उपहार देते हैं?
- क्या उन्होंने किसी ऐसे बच्चे को देखा है जो अपने जेबखर्च से रक्षाबंधन का उपहार खरीदकर अपनी बहन को देता है?
- रक्षाबंधन के दिन बहनों को उपहार दिया जाना चाहिए या नहीं? अगर 'हाँ' तो क्यों और अगर 'नहीं' तो क्यों नहीं?